



## संदेश



गृह रक्षा के 57 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य के इस विशाल स्वयं सेवी संगठन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयं सेवकों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ तथा बधाई प्रेषित करता हूँ।

गृह रक्षा संगठन की स्थापना 6 दिसम्बर 1962 में की गई थी। "निष्काम सेवा" के ध्येय वाक्य पर आधारित इस संगठन की बढ़ती हुई उपयोगिता व लोकप्रियता के कारण आज यह राज्य का सबसे बड़ा सरकारी स्वयं सेवी संगठन है, जिसके वर्तमान में लगभग 30,700 स्वयं सेवक स्वीकृत हैं।

एक ओर गृह रक्षा स्वयं सेवकों ने प्रशासन एवं पुलिस के साथ मिलकर आन्तरिक सुरक्षा तथा कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों में सुरक्षा ड्यूटी देते हुए अपनी योग्यता का परिचय दिया है, साथ ही दूसरी ओर इन स्वयं सेवकों ने राज्य में एवं राज्य से बाहर अन्य राज्यों यथा हरियाणा, दिल्ली, तेलंगाना, उत्तराखण्ड में लोक सभा/विधान सभा चुनावों में पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण लगन एवं उत्साह के साथ अपनी ड्यूटी देते हुए शान्तिपूर्वक ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने में प्रशासन को सहयोग प्रदान किया है, जिसकी समय-समय पर विभिन्न राज्यों द्वारा भूरि-भूरि सराहना की गयी है।

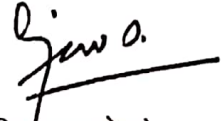
राज्य सरकार ने अनेक विभागों जैसे कि जेल विभाग, खनिज विभाग, राजस्थान उच्च न्यायालय, आकाशवाणी, सुपर थर्मल पावर प्लांट, केयर्न ऐनर्जी आदि की सुरक्षा का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व विभाग को देकर स्वयं सेवकों की कार्य कुशलता पर अपना विश्वास जताया है जिससे समाज में विभाग की छवि एवं महत्ता बढ़ी है।

वर्तमान मे आंतकवादी गतिविधियों को ध्यान मे रखते हुए मैं इस अवसर पर संगठन के सभी अधिकारीगण, कर्मचारियों तथा विशेष रूप से स्वयं सेवकों का आवाहन करता हूँ कि वे अपने सैक्टर्स में संदिग्ध गतिविधियों पर सतत् रूप से विशेष निगरानी रखें। इससे देश की आन्तरिक सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द तथा राष्ट्रीय एकता बनाये रखने मे योगदान मिलता है। मैं यह भी आवाहन करता हूँ कि प्राकृतिक आपदाओं व आकस्मिक घटित दुर्घटनाओं के समय गृह रक्षा के स्वयं सेवक आगे आकर आम नागरिकों की सहायता मे जूटें, साथ ही सरकार के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान व पर्यावरण से जुडे कार्यक्रमों मे सक्रिय योगदान दें। इसी ध्येय से हम संगठन की मूल अवधारणा—“निष्काम सेवा” को साकार कर पायेगे।

मुझे पूर्ण आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि कठिन परिश्रम एवं अनुशासन मे रह कर हम कानून एवं व्यवस्था ड्यूटी के साथ अन्य महत्वपूर्ण ड्युटियों में संगठन की दक्षता एवं उपयोगिता बढ़ाने के लिये सतत् रूप से प्रयासरत रहेंगे।

गृह रक्षा स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मैं पुनः आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

“जय हिन्द”

  
(राजीव दासोत)